महत्वपूर्ण एवं खास

कांग्रेस नेता पर बाइक सवार युवकों ने किया हमला, लूटपाट का प्रयास

रायपुर (आरएनएस)। पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र के शांति चौक के पास बीती रात एक कांग्रेस नेता पर बाइक सवार युवकों ने हमला कर लूटपाट का प्रयास किया। मामले में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता सुरेश ठाकुर कल रात अपने परिजनों के साथ शादी समारोह से लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने उनकी कार के शीशे पर डंडे से वार किया। ठाकुर संभल पाते इससे पूर्व ही बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। इससे सुरेश ठाकुर के कान के पास चोटें आई हैं। प्रार्थी के अनुसार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चैन आदि छीनने का प्रयास किया। इसी बीच हो-हल्ला मचने पर तथा लोगों की भीड़ जमा होने पर आरोपी वहां से भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण जांच में लेते हुए पतासाजी शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुरानीबस्ती क्षेत्र के ही दो युवकों का नाम सामने आया है।

प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर दी जान

कोण्डागांव (आरएनएस)। केशकाल थाना क्षेत्र के ग्राम खेतरपाल में एक प्रेमी युगल द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामला खेतरपाल गांव का है। ग्राम सरपंच ने सूचना दी कि जंगल में एक युवक तथा एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि दोनों एक ही गांव के रहने वाले थे और एक-दूसरे से प्रेम करते थे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसे पीएम के लिए रवाना कर दिया है तथा मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

आरक्षक की मृत्यु, पुलिस परिवार में दौड़ी शोक की लहर

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिला पुलिस परिवार में उस वक्त शोक की लहर दौड़ गई जब पाली थाना में पदस्थ आरक्षक संजय दास की अचानक मृत्यु हो जाने की जानकारी मिली। बताया जा रहा है कि बालको थाना के आवासीय परिसर में निवासरत पुलिस आरक्षक के सीने में अचानक दर्द उठा और वे गश खाकर जमीन पर गिर पड़े। तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का मूल निवास रतनपुर स्थित ग्राम छपोरा बताया जा रहा है। बालको पुलिस ने पीएम के लिए शव को मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल रवाना कर दिया है जहां से उसे उनके गृहग्राम छपोरा ले जाया जाएगा और उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मृत मिला युवक, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा (आरएनएस)। शिवाजी नगर निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक की लाश उसके घर पर पाई गई है। मृतक की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है। इसका पता नहीं चल सका है। मर्ग कायम कर पुलिस मामले की विवचेना कर रही है। सिविल लाइन थाना के शिवाजी नगर में रहने वाले युवक ओमप्रकाश युवक की लाश उसके ही घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई है। मृतक की मौत होने का खुलासा उस वक्त हुआ जब उसकी बहन गांव से घर लौटी। अंदर से दरवाजा बंद होने के कारण उसने पड़ोसियों की मदद ली। जब उसके भाई ने कोई जवाब नहीं दिया तब सिविल लाईन पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा को तोड़ा। मृतक घर पर पड़ा हुआ था और नाक से खून निकल रहा था। पूछताछ के दौरान बात सामने आई है, कि मृतक शराबी प्रवृत्ती का था। एक पैर से दिव्यांग ओमप्रकाश पान मसाला का व्यवसाय किया करता था। रात हो जाने के कारण पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई नहीं की। घर को सील कर पुलिस वापस लौट गई। सुबह होने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर लाश को पीएम के लिए अस्पताल रवाना किया। अब ओमप्रकाश की मौत का राजफाश पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

2025 तक छत्तीसगढ़ को कॉर्नियल दृष्टिहीनता मुक्त बनाने का लक्ष्य

- राज्य में एक वर्ष में कुल 1.35 लाख से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए
- प्रदेश में अब तक का सर्वाधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन
- अपेक्षित लक्ष्य के विरुद्ध सर्वाधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशन करने वाले रायपुर, सूरजपुर व बलौदाबाजार के डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में राज्य में नेत्र सेवाओं के क्षेत्र में सफलतापूर्वक सेवा प्रदायगी व शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने पर राज्य नोडल अधिकारी एवं सभी जिलों के नोडल अधिकारियों की सराहना करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में और अधिक आपरेशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सिंह ने बैठक में बताया कि छत्तीसगढ़ को वर्ष 2025 तक कार्नियल ओपेसिटी फ्री राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान, महामारी नियंत्रण के संचालक एवं अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न जिलों से आए विशेषज्ञ डाक्टर भी बैठक में शामिल हुए।

समीक्षा बैठक में राज्य कार्यक्रम अधिकारी ने चालू वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना तथा संसाधनों की आवश्यकता की जानकारी दी। बैठक में नेत्र सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिविरों में आपरेशन नहीं करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि राज्य में पिछले वित्तीय वर्ष में कुल एक लाख 35 हजार 113 मोतियाबिंद ऑपरेशन किए गए हैं। यह संख्या प्रदेश में एक वर्ष में अब तक किए गए मोतियाबिंद ऑपरेशन में सर्वाधिक है। भारत सरकार द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन का वास्तविक लक्ष्य एक लाख सात हजार 800 एवं राज्य स्तर पर एक लाख 25 हजार रखा गया था। इसके साथ ही 32 हजार 603 अन्य नेत्र रोग के ऑपरेशन भी किये गये हैं। अपेक्षित लक्ष्य के विरूद्ध सर्वाधिक मोतियाबिंद आपरेशन में रायपुर जिला पहले, सूरजपुर दूसरे और बलौदाबाजार-भाटापारा तीसरे स्थान पर रहा। बैठक में इन तीनों जिलों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बैठक में शासकीय अस्पतालों (जिला चिकित्सालय/सिविल अस्पताल/सी.एच.सी.) में अपेक्षित लक्ष्य के विरूद्ध सर्वाधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन करने वाले जिला चिकित्सालयों को भी प्रतीक चिन्ह दे सम्मानित किया गया। इसमें धमतरी जिला प्रथम, रायगढ़ द्वितीय एवं बलौदाबाजार-भाटापारा तृतीय स्थान पर रहा।

राज्य में सबसे अधिक संख्या में नेत्र आपरेशन करने वालीं जगदलपुर जिला चिकित्सालय की डॉ. सरिता निर्मल, द्वितीय स्थान पर रहने वालीं रायगढ़ जिला चिकित्सालय की डॉ. मीना पटेल एवं तृतीय स्थान पर रहे धमतरी जिला चिकित्सालय के डॉ. जे.एस. खालसा को भी बैठक में सम्मानित किया गया। ज्यादा संख्या में नेत्र आपरेशन करने वाले सर्जनों डॉ. रोजश सूर्यवंशी, जिला चिकित्सालय धमतरी, डॉ. आर.एस. सेंगर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया, डॉ. तेरस कंवर, जिला चिकित्सालय सूरजपुर, डॉ आर. मेश्राम, जिला चिकित्सालय रायगढ़, डॉ. आर.के. अवस्थी, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक बलौदाबाजार-भाटापारा, डॉ. प्रभा सोनवानी, सिम्स मेडिकल कालेज बिलासपुर और डॉ. तरूण कनवर, जिला चिकित्सालय बीजापुर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रदेश में अब तक नेत्रदान के 400 लक्ष्य के विरूद्ध 244 नेत्रदान प्राप्त किये गये हैं। राज्य में 6 नेत्र बैंक तथा 4 कॉर्निया प्रत्यारोपण केन्द्र पंजीकृत हैं, जिनको जिला आबंटित कर दिया गया है। संबंधित केन्द्र द्वारा चिन्हित रोगियों के परीक्षण पश्चात उपयुक्त होने पर प्राप्त कॉर्निया का प्रत्यारोपण किया जा रहा है। ''कॉर्नियल दृष्टिहीनता मुक्त राज्य योजना'' के अंतर्गत वर्ष 2025 तक राज्य को कॉर्नियल दृष्टिहीनता मुक्त बनाने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहां शासकीय अस्पतालों द्वारा नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों को घर से अस्पताल व अस्पताल से घर लाने-ले जाने के लिये अतिरिक्त व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत 7 जिले केटारेक्ट ब्लाइंडनेस बैकलाग फ्री राज्य में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के अंतर्गत सात जिलों ने केटारेक्ट ब्लाइंडनेस बैकलाग फ्री स्टेटस प्राप्त किया है। कबीरधाम यह स्टेटस हासिल करने वाला देश का पहला जिला है। रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, रायगढ़, धमतरी, राजनांदगांव और बालोद ने भी यह स्टेटस प्राप्त कर लिया है।

सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन से भरपूर है फोर्टिफाइड चावल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण और एनीमिया की स्थिति को दूर करने के मद्देनजर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर प्रदेश के सभी जिलों में शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से प्राथमिकता, अन्त्योदय, एकल निराश्रित, नि:शक्तजन, श्रेणी के राशनकार्डधारियों को 1 अप्रैल से सामान्य चावल के स्थान पर फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार सार्वभौम पीडीएस के तहत खाद्यान्न सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा एनीमिया एवं अन्य पोषक तत्वों की कमी को दूर करने नवम्बर 2020 से कोण्डागांव जिले में पायलेट बेसिस पर फोर्टिफाइड चावल का वितरण प्रारंभ किया था। इसके बाद राज्य के 10 आकांक्षी जिले (कोरबा, राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाडा, बीजापुर, बस्तर, कोण्डागांव, सुकमा) तथा 02 हाई बर्डन जिले (कबीरधाम एवं रायगढ़) में फोर्टिफाइड चावल का भी वितरण किया गया। वर्तमान में मध्यान्ह भोजन योजना तथा पूरक पोषण आहार योजना के साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्राथमिकता वाले राशन कार्डों पर प्रदेश के सभी जिलों में फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है।

फोर्टिफाइड चावल पोषक एवं स्वास्थ्यवर्धक है। यह आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 से युक्त होता है। इसमें मौजूद आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 जैसे पोषक तत्व बढ़ते एवं बच्चों में खून की कमी नहीं होने देता है तथा खून निर्माण एवं तंत्रिका तंत्र के सही ढंग से कार्य में सहायक होता है। प्रदेश के कई स्थानों पर फोर्टिफाइड चावल को लेकर प्लास्टिक चावल होने का भ्रम भी सामने आई है। दरअसल फोर्टिफाइड चावल सामान्य चावल से अधिक चिकना और अलग दिखता है, लेकिन वह प्लास्टिक नहीं है। लेकिन बेहतर गुणवत्ता वाला चावल है। खाद्य विभाग द्वारा लोगों में भ्रम की स्थिति को दूर करने राशनकार्डधारियों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानीन, एवं उचित मूल्य दुकानों में बैनर, पोस्टर आदि के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल को पकाने के तरीके एवं उपयोग के संबंध में समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है।

ऐसे होता है फोर्टीफिकेशन- विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक फूड फोर्टीफिकेशन का मतलब होता है टेक्नोलॉजी के माध्यम से खाने में विटामिन और मिनरल के स्तर को बढ़ाना। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि आहार में पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सके और इससे लोगों के स्वास्थ्य को भी लाभ मिले। आम तौर पर चावल की मिलिंग और पॉलिशिंग के समय फैट और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर चोकर की परतें हट जाती है। चावल की पॉलिश करने से 75-90 प्रतिशत विटामिन भी निकल जाते है जिसके वजह से चावल के अपने पोषक तत्व खत्म हो जाते है। इसलिए चावल को फोर्टिफाई करने से उनमें सूक्ष्म पोषक तत्व न सिर्फ फिर से जुड़ जाते है बल्कि और ज्यादा मात्रा में मिलाये जाते है जिससे चावल और अधिक पौष्टिकयुक्त हो जाता है।

केंदई रेंज में हाथियों का आतंक जारी, फिर तोड़े मकान

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में हाथियो के आतंक से ग्रामीण सहमे हुए है। यहां के कोरबी सड़के में मौजूद हाथी कभी भी बस्ती में पहुंच जा रहे है। और ग्रामीणो के मकान का ध्वस्त करने के साथ ही वहां रखे अनाज को चट कर जा रहे है। ग्रामीण हाथियो के डर से रतजगा करने का मजबूर है।

बीती रात यहां के कापानवापारा क्षेत्र में घूमरहे एक दंतैल हाथी ने उत्पात मचाते हुए चंदेली बाई नामक महिला के घर को नेस्तनाबूद कर दिया। आधी रात को अचानक पहुंचे दंतैल यहां जमकर उत्पात मचाया। दंतैल के बस्ती में घूसने और उत्पात मचाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और उत्पाती दंतैल को मशाल व टार्च के सहारे खदेड़ा वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा खदेड़े जाने पर दंतैल जगंल का रूख किया। तब ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ज्ञात रहे क्षेत्र में बड़ी संख्या में हाथी काफी दिनों से घूम रहे है। यह हाथी शांत थे लेकिन पिछले चार दिनो से उत्पात मचाने को उतारू हो गए है। इस दौरान हाथियो ने क्षेत्र में 8 से अधिक घरों को ढहाकर ग्रामीणों को बेघर कर दिया है। हाथियो के उत्पात से क्षेत्रवासी सहमें हुए है और रतजगा करने को मजबूर हो रहे है।

बाईक की ठोकर से ग्रामीण की मौत

कोरबा (आरएनएस)। बेहचुआं मार्ग में कल सायं पैदल अपने घर बेहचुआं जा रहे ग्रामीण को एक बाईक चालक ने लापरवाई पूर्वक तेजगति से वाहन चलाते हुए जोरदार ठोकर मारकर घायल करते हुए भाग निकला। ग्रामीण को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया। यहां उसे देखते ही चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार करतला थाना अंतर्गत ग्राम बेहचुआं निवासी जयराम प्रसाद उम्र 51 पिता लक्ष्मण प्रसाद कल सायं रामपुर आया था। वहां से लौटते हुए नोनबिर्रा होते हुए सायं 6 बजे के लगभग पैदल बेहचुआं मार्ग में स्थित अपने गांव बेहचुआं स्थित घर जा रहा था। इसी दौरान एक बाईक चालक तेजगति से वाहन चलाते हुए आया और उसे जोरदार ठोकर मारकर घायल करते हुए भाग निकला। गंभीर रूप से घायल जयराम को उपचार के लिए देर सायं जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां उसे देखते ही चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल चौकी पुलिस ने अस्पताल के वार्ड व्याय द्वारा सूचना दिये जाने पर मर्ग कायम कर मृतक के शव को उसके परिजनों की उपस्थित में पंचनामा कार्रवाई पर पीएम के लिए आज सुबह चीरघर भिजवा दिया। वहीं मर्ग डायरी को विवेचना के लिए करतला थाना अस्पताल चौकी पुलिस द्वारा घटना स्थल करतला थाना क्षेत्र में होने के कारण रेफर किया जा रहा है।

करतला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा जिले के करतला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ऊपरी तल में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई, जब यहां आगजनी घटना हुई। शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। आनन-फानन में अग्निशमन विभाग को फोन किया गया लेकिन जल्द सहायता नहीं मिली पाई। जिस पर करतला पुलिस के जवानों ने साहस और सूझबूझ के साथ जतन करते हुए आग पर नियंत्रण किया और मरीजों को बचाया।

कोरबा जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर करतला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल स्टाफ और मरीजों सहित उनके परिजन उस समय बेचैन हो गए जब यहां बैटरी रूम के बगल में शॉर्ट सर्किट के प्रभाव से आग लग गई। आग लगने के साथ जल्दी इसकी जानकारी अस्पताल परिसर में फैल गई और यहां कोहराम मच गया। आग लगने के साथ कई और भी समस्याएं यहां पर निर्मित हुईं।

अस्पताल परिसर में आगजनी को लेकर अग्निशमन विभाग को सूचित किया ताकि जल्द सहायता उपलब्ध हो सके और नियंत्रण संबंधी काम हो सके। उक्त मामले की जानकारी प्रभारी बीएमओ डॉ.तिवारी द्वारा करतला पुलिस को दिए जाने पर थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी के द्वारा आपदा प्रबंधन के मामले में प्रशिक्षित जवानों को मौके पर रवाना किया गया। आवश्यक संसाधन का उपयोग करते हुए जवानों ने साहस के साथ अस्पताल में मोर्चा संभाला और मरीजों को सुरक्षित किया। यह सुनिश्चित करने के साथ की आग पूरी तरह से बुझ गई है, तब जवान यहां से लौटे। आग लगने के दौरान धुआ उठने से इसी इलाके में मौजूद अपने छत्ते से मधुमक्खियां बाहर आ गई और उन्होंने हमला करना शुरू कर दिया। पुलिस के जवानों ने यहां पहुंचकर उनकी मदद की।

धमतरी जिले के वनक्षेत्रों में भू-जल स्तर में हो रहा लगातार सुधार

- वन्यप्राणियों के वनक्षेत्रों से बाहर आबादी क्षेत्रों में आने की घटनाओं में आई कमी

रायपुर (आरएनएस)। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के आज के समय में वाटर रिचार्जिंग सबसे बड़ी चुनौती है। जल स्रोतों को सहेजने और वाटर लेवल बढ़ाने की नवाचारी पहल करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार नालों का ट्रीटमेंट कर जल को सहेजने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुवाई में सुराजी गांव योजना के तहत नरवा कार्यक्रम में नालों का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रवाहित होने वाले 13 हजार से ज्यादा नालों का उपचार वाटर रिचार्जिंग के लिए किया जा चुका है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा है कि नरवा विकास कार्यक्रम वन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। भू-जल स्तर, सिंचाई के रकबे की वृद्धि के साथ जैव-विविधता की स्थिति बेहतर हो रही है। वन्य प्राणियों के वन क्षेत्र के बाहर आबादी क्षेत्रों में आने की घटनाओं में कमी आई है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि नरवा कार्यक्रम में नालों के ट्रीटमेंट से पहले जमीन की डिटेल स्टडी किया जाता है, इसके बाद नालों के ट्रीटमेंट का कार्य होता है। सही जगह पर नरवा योजना के तहत नालों के ट्रीटमेंट से आज प्रदेश के कई जिलों में जलस्तर 7 सेमी से 30 सेमी तक बढ़ गया है।

नरवा विकास कार्य के तहत धमतरी वनमण्डल अंतर्गत चयनित नालों में उपचार किये जाने से वनक्षेत्रों के भू-स्तर में काफी सुधार दिखाई दे रहा है। वनवासियों एवं वनक्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पेयजल एवं निस्तारी आदि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो रहा है। इसका वे भरपूर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वनक्षेत्रों में जलस्तर सुधार होने से वन संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को बढ़ावा मिलने के साथ -साथ वन्यप्राणियों के पीने एवं आवश्यकता हेतु बारह मासी नालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। फलस्वरूप वन्यप्राणियों के वनक्षेत्रों से बाहर आबादी क्षेत्रों में आने की घटनाओं में भी कमी आई है।

जिले में प्रतिदिन स्व सहायता समूहों के द्वारा की जा रही 700-1000 क्विंटल के बीच गोबर खरीदी

- 250 से ज्यादा गौठानों में 2 क्विंटल से ज़्यादा गोबर खरीदी प्रतिदिन

महासमुंद (आरएनएस)। महासमुंद जिले की गोठानों में गोबर खरीदी का कार्य स्व सहायता समूहों के द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। जिले में प्रतिदिन लगभग 700-1000 क्विंटल के बीच गोबर खरीदी का कार्य स्व सहायता समूहों के द्वारा किया जा रहा है। जिसकी नियमित एंट्री गोधन न्याय योजना के पोर्टल में की जा रही है। प्रतिदिन 300 से ज्यादा गौठानों में स्व सहायता समूहों के द्वारा गोबर खरीदी की जा रही है। वर्तमान में 250 से ज्यादा गौठानों में 2 क्विंटल या उससे अधिक की गोबर खरीदी प्रतिदिन हो रही है।

मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस.आलोक ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवों के हड़ताल का कोई ख़ास असर गोबर खरीदी पर नहीं पड़ा है। उन्होंने जानकारी दी कि ग्राम सचिवों के द्वारा खरीदी किये जा रहे अवधि से ज़्यादा गोबर खरीदा जा रहा है। अब तक जिले में कुल 5 लाख 69 हजार 5 सौ 56 क्विंटल 30 किलो गोबर खरीदी हो चुकी है। तथा कुल 140842. 23 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट 31025. 28 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट तथा 1533.00 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट प्लस का उत्पादन हो चुका है। 153166.14 क्विंटल का विक्रय हो चुका है। जो कि शासन के तय मापदण्ड के अनुरूप है।

एस.आलोक ने बताया कि एक समाचार पत्र में महासमुन्द से प्रकाशित खबर जिसमें उल्लेखित है कि गौठानों में गोबर खरीदी ठप्प छोटे-छोटे कार्यों के लिए ग्रामीण भटक रहे हैं। यह जानकारी भ्रामक एवं तथ्यों से परे है। उन्होंने कहा कि सभी हड़ताली सचिवों को नोटिस जारी किया गया है। इसके पश्चात् इनके स्थान पर कार्यवाहक सचिव की नियुक्ति की जा चुकी है। जिन हड़ताली सचिवों के द्वारा शासकीय दस्तावेज कार्यवाहक सचिवों को नहीं सौंपा गया है। उन पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु संबंधित जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश किए जा चुके है।

सचिवों के हड़ताल के अवधि में सफलता पूर्वक सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य एवं गौठानों के भौतिक सत्यापन का कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। वर्तमान में जी.पी. डी.पी. के कार्यों की प्रविष्टि प्रगतिरत है। उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत करते हुए स्थिति सामान्य हो जाने के कारण हड़ताली सचिवों द्वारा भ्रामक वक्तव्य दिए जा रहे है। जबकि स्थित ऐसी नहीं है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा अधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career School, Raigarh, C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU